पत्रिका संवाददाता के द्वारा 22-5-19

प्लेसमेंट हेतु ऑफ सीजन में भी विश्वविद्यालय में आ रहीं कंपनियां

इंदौर।

टॉप कॉलेजों से एमबीए करने वालों की डिमांड इस साल कंपनियों में बढ़ी है। इसका असर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) में देखने को मिल रहा है। यहां ऑफ सीजन में भी कंपनियां जॉब प्लेसमेंट के लिए आ रही हैं। सालभर में दो से तीन बार कंपनियां आ चुकी हैं और अगले दिनों में आने वाली कंपनी एमबीए फाइनेंस वालों को करीब 9 लाख रुपए वार्षिक का पैकेज ऑफर करने जा रही है।

आईएमएस के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी अवनीश व्यास का कहना है कि पिछले तीन से चार साल से बैंकिंग और ई-कॉमर्स सेक्टर में गति आई है। नोटबंदी और जीएसटी के बाद बैंकिंग सेक्टर में भी कई तरह के नए काम बढ़ गए हैं और लोन संबंधित लेनदेन भी बढ़े हैं। कई प्राइवेट बैंक लगातार अपना विस्तार कर रहे हैं। ई-कॉमर्स और बी2बी बिजनेस वाली कंपनियों की संख्या भी बढ़ी है और पहले से इस क्षेत्र में काम कर रही कंपनियों ने अपने काम को बढ़ाया है। इसके चलते भी एमबीए वालों की डिमांड बढ़ी है। एक कंपनी ने ईमेल कर बताया है कि उन्हें कुछ एमबीए फाइनेंस के स्टूडेंट्स चाहिए। अच्छे पैकेज में कई स्टूडेंट्स को प्लेसमेंट सीजन के बाद भी जॉब के मौके मिल रहे हैं।

आईएमएस के प्रो.डॉ. निशिकांत वाईकर का कहना है कि राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो मार्केटिंग प्रोफाइल पर कम समय में अच्छे जॉब स्टूडेंट्स को मिल रहे हैं। लॉजिस्टिक नया क्षेत्र उभरकर आया है। इसमें काफी डिमांड है, लेकिन इसकी पूर्ति नहीं हो पा रही है। देश में लॉजिस्टिक में एक्सपर्ट बनाने वाले संस्थानों की फिलहाल कमी है। कई स्टूडेंट्स भी इसे लेकर अवेयर नहीं है। लॉजिस्टिक में डिग्री करने वालों के लिए अच्छे पैकेज हैं। पिछले साल के मुकाबले एमबीए, ई-कॉमर्स और एचआर में भी डिमांड बढ़ी है। जानकारों का कहना है कि इकोनॉमी में कई तरह के बदलाव हो रहे हैं। इसमें रिसर्च का काम बढ़ा है। इसके चलते देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के एमबीए स्टूडेंट्स के लिए भी जॉब की अच्छी संभावनाएं बन रही हैं। जॉब प्लेसमेंट में रिटर्न और इंटरव्यू में बेहतर परफॉर्म करने के लिए स्टूडेंट्स अगर पहले से तैयारी कर लें तो उन्हें चयनित होने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।